Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–134

B.A. (Part–I) Examination, 2023

RAJASTHANI

Paper - I

(आधुनिक राजस्थानी काव्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

(सवालां रा जबाव हिन्दी या राजस्थानी में दिया जाय सके।)

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. नीचै लिख्यौड़ा सवालां रा पडूत्तर देवो। (सबद सीमा **50** सबद) :

   (i) 'दीवट' कविता रो मूळ संदेस कांई है ?

   (ii) 'कांटा' बण'र कुण पाछा आवै अर क्यूं आवै ?

(iii) बिरख -बीनणी रै चंवरी चढण अर सासरे पूगण रो कवि कांई बगत बतायो है ?

(iv) अैरण किण वीर नै अर कांई पूछणी चावै ?

(v) चित्रसेन कुण हो अर उणरो अपराध कांई हो ?

(vi) 'मानखो' में करूण पुकार करण वाळ कुण है ?

(vii) सुभद्रा किणरी जोड़ायत अर किणरी माता है ?

(viii) 'ओ पारथ भारत रो थंबो' कुण अर क्यूं केवै ?

(ix) 'वीर सतसई' नाम री रचनावांकुण-कुण लिखी ? **दो** कवियां रा नाम लिखो।

(x) आधुनिक कविता में प्रकृति काव्य लिखण वाला **दो** कवियां रा नाम लिखो।

खण्ड–ब

नोट :– नीचै लिख्यौड़ा पद्यांसा री सप्रसंग व्याख्या करो। सात मांय सूं पांच रा पङूत्तर देवणा है। (सबद सीमा **200** सबद) :

2. सीपी पाळ पेट में मोती,

गूंगी मरण बुलावै क्यूं,

रवै जीवती परख जगत री,

ओ तो मरणूं जीणूं है

बिंधा काळजो कंठां बंधसी

जद मोती लाखीणूं है।

3. चिर प्रीत अगन री–

अखंड जोत

काळ हथेळी बिच

थां आगळ अस्ट पौर जगै,

तिण सूं पड़िया, काजळ रा कूंपला

किण चतर नार चोरिया,

हे सयणहीण,

पंथलीण

पासाण सुंदरी॥

4. रोटी रो जद टुकड़ो तोड्यौ,

सोरम व्यापी पून,

अवरल धार दूध की चाली,

इमरत धोळ्यो चूण

लाडू को जद टुकड़ो तोड्यौ,

गद-गद निसर्‌यो खून

सार कमाई रो जस गायो

अंबर रमती पून

5. मिनखां नै बांधण मिनखां सांकळां घड़ाई,

हाथां हथकड़ियां, पग री बेड़ियां बणाई,

मिरखां ने नीचै दाब्यां आंकस परवाणै रै,

आपां क्यूं सिरजा जुग री पीड़ा नैं,

अैरण बूझै रे धण बीर नै॥

6. जुद्धां जबरां रा जोर तुलै,

कटणौ मरणौ मोट्यारां रौ,

जोधा जामै पाळै तो ही,

रण आंगण कोनी नार्‌यां रौ॥

7. नारी निरमळ है भगती सी,

बळ इत्तौ जूंझलै जगती स्यूं,

धरती रा मूलक बणै बिगड़ै,

मातावां वाळी सगती स्यूं॥

8. धरम धरा रो निरभै कर,

अधरम रो जड़ां डिगाई,

ओ पैलो नर अवतारी,

गीता गोपाल सुणाई॥

खण्ड–स

नोट :– नीचे दियौड़ा सवालां मांय सूं किणी **दो** रा पड्डूत्तर देवो। (सबद सीमा **500** सबद) :

9. जनकवि गणेशलाल 'उस्ताद' री रचनावां रै मुजब उणांरी विचारधारा रो दाखलां सूदी वरणन करो।

10. 'बादळी' रो वरणन कर उणरी विसेसतावां रै साथै मरूधर में 'बादळी' रो मोल बतावो।

11. 'मानखो' रचना रै आधार माथै 'मानखो' रो अरथ अर आज रै जुग में इण रचना री प्रासंगिकता बतावो।

12. आधुनिक काव्य री प्रवृत्तियां दाखलां साथै समझावो।